बैंकों की रैंकिंग हुई तय, काम के आधार पर मिले रैंक

(आज समाचार सेवा)

पटना। विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में उच्च समिति की समीक्षा बैठक में राज्य के समग्र बैंकिंग प्रदर्शन वार्षिक साख योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति, साख जमा लक्ष्यों की प्राप्ति, साख जमा अनुपात की वर्तमान स्थिति और विभिन्न जनकल्याणकारी योजना के तहत ऋण प्रवाह को बिंदुवार और गहन समीक्षा की गयी।

विकास आयुक्त ने राज्य में कार्यरत बैंकों के कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए १०० अंकों का एक वैज्ञानिक भापन सूचकांक लागू किया। इस नये पारदर्शी सिस्टम में विभिनन मापदंडों के लिए अंक निर्धारित कर रैंकिंग और स्कोरिंग तय की गयी है। इसके साथ ही इस बार राज्य सरकार ने समीक्षा के दायरे को व्यापक बनाते हुए चार नयी महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं को ऋण निगरानी तंत्र में जोड़ा है।

वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए बिहार की वार्षिक साख योजना का आकार ४ लाख ९५ हजार करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। यह राशि का वित्तीय वर्ष के लिए राज्य के करीब १ लाख २५ हजार करोड़ रुपये के योजना आकार से लगभग चार गुना अधिक है। यह राज्य की सकल घरेलू उत्पाद और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को एक मजबूती प्रदान करेगी। इस निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध सितंबर



तिमाही में राज्य के १ लाख ८९ हजार ३४३ करोड़ रुपये (३८.२५ फीसदी) की मजबूत उपलब्धि हासिल कर ली है।

विकास आयुक्त ने कहा है कि यह प्रगति पिछले वित्तीय वर्ष २०२५-२६ की इसी छह माही की तुलना में ४६ २२८ करोड़ रुपये अधिक है, जो बिहार में निवेश और आर्थिक गतिविधियों में आयी भारी तेजी को प्रमाणित करती है। क्षेत्रवार प्रगति के अंतर्गतएमएसएमई क्षेत्र में सर्वाधिक उत्साहजनक प्रदर्शन करते हुए १ लाख ५९ हजार ६३२ करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले ८४ हजार ९१ करोड़ (५२.६८ फीसदी) रुपये की बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कृषि क्षेत्र में १.५७, ०१५ करोड़ रुपये के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले ४३, ९६७.१७ करोड़ (२८ फीसदी) रुपये का ऋण प्रवाह सुनिश्चित किया गया है और कुल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में ३, ५५, ५३२ करोड़ रुपये के लक्ष्य १, ३०, ६१९, ०० करोड़ (३६.७४) फीसदी रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के अंत में बिहार में पहलीबार ६०.२१ फीसदी का ऐतिहासिक साख जमा अनुपात हासिल किया था। यह सकारात्मक गति इस वित्तीय वर्ष में भी बरकरार है। ३० सितंबर, २०२६ तक राज्य का समग्र सीडी रेशियो ६०.१७ फीसदी पर बना हुआ है।

बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव, राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के मुख्य संयोजक, विभिन्न सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ महाप्रंधक एवं राज्य सरकार के संबंधित विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। ग्रीन जोन ५० या अधिक अंक उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले बैंकों में आइडीएफसी फर्स्ट बैंक ७४ अंक, शीर्ष पर है। इसके साथ जम्मू एंड कश्मीर बैंक ६८, आरबीएल ६८ एचडीएफसी ६५, बैंक ऑफ बड़ौदा ६४ उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ६३, पंजाब एवं सिंध बैंक ५८, बिहार ग्रामीण बैंक ५७, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ६३, ययू स्मॉल फाइनेंस बैंक ५३ और बैंक ऑफ इंडिया शामिल है। रेड जोन ४० से कम अंक वाले बैंक की सूची इस श्रेणी में इंडियन ओवरसीज बैंक ३७, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया ३७, यूको बैंक ३५, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ३७, केनरा बैंक २७, आइडीबीआई बैंक २६, बंधन बैंक २६, कोटक महिन्द्रा बैंक २६ और स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक सहित कुछ अन्य बैंक शामिल है।

निशांत कुमार जदयू के भविष्य : राजीव रंजन प्रसाद

पटना (आससे)। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार की नीतियों एवं उनके सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ रहे स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार पार्टी के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार में नीतीश कुमार की ही तरह जनकल्याण की भावना कूट कूट कर भरी है और १३ करोड़ बिहारवासियों का कल्याण कैसे हो इसको लेकर निशांत कुमार हमेशा गंभीर रहते हैं।

अपनी समाधान यात्रा के दौरान कई जिलों में जिस तरह निशांत कुमार को देखने एवं सुनने को भीड़ उमड़ी वो ये साफ दर्शाता है कि निशांत कुमार को जदयू के सर्वमान्य नेता के तौर पर जनता ने स्वीकार किया और नीतीश कुमार की तरह ही उनपर भरोसा जताने का काम किया है। यात्रा के दौरान फूल वर्षा और लोगों का अपनतव ये बताने के लिए काफी है कि निशांत कुमार लोगों के दिलों में बसते हैं और राज्य की जनता उनपर भरोसा करती है। गरीबों के सच्चे हमदर्द के तौर पर उन्होंने मरीजों की तकलीफों को समझा और अस्पतालों में सर्जरी की लंबी लाइन को खत्म करने को लेकर उन्होंने बड़े फैसले लिए। इसके तहत दूसरे अस्पतालों में प्रतीक्षारत मरीजों को पटना के आईजीआईएमएस, एम्स, मेदांता जैसे उच्चस्तरीय अस्पतालों में ऑपरेशन कराने की सुविधा मिल सकेगी। जिससे गंभीर रोगों के ऑपरेशन के लिए मरीजों को बेवजह इंतजार करने से छुटकारा मिलेगा।

इंपा ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये 5 लाख रुपये

पटना (आससे)। बिहार में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इंपा) ने सराहनीय पहल की है। इंपा की ओर से बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच लाख रुपये का योगदान दिया गया है। इस राशि का चेक इंपा के अध्यक्ष अभय सिन्हा एवं कार्यकारिणी सदस्य निशांत उज्ज्वल की पहल पर आज बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भेंट किया गया।

इंपा के अध्यक्ष अभय सिन्हा एवं कार्यकारिणी सदस्य निशांत उज्ज्वल ने बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए यह कदम उठाया है। फिल्म उद्योग की ओर से किया गया यह सहयोग आपदा की घड़ी में जरूरतमंद परिवारों के प्रति संवेदनशीलता, मानवीय भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है।



बिहार में बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों का सहयोग भी महत्वपूर्ण है। आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक सराहनीय उदाहरण है।

इंपा के अध्यक्ष अभय सिन्हा एवं कार्यकारिणी सदस्य निशांत उज्ज्वल की इस पहल के तहत मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच लाख रुपये का योगदान दिया गया है। यह सहयोग बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुंचाने के प्रयासों को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस पहल के माध्यम से इंपा ने संदेश दिया है कि फिल्म उद्योग केवल कला और मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों, जनसेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में आगे रहता है।



मंगल पांडेय ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया एक माह का वेतन।

बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के प्रयास सराहनीय : किशोर सिंह

फुलवारीशरीफ। जनता दल (यूनाइटेड) दिल्ली प्रदेश के सचिव किशोर सिंह ने बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयासों की सराहना की है. उन्होंने कहा कि आम जनता को सुलभ, बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।

किशोर सिंह ने कहा कि बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, सरकारी अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार करने और आम लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं. स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का विस्तार और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार जरूरी है।

शिशुपाल की तरह गिनी जा रही थीं 100 गलतियां : श्याम रजक

पटना (आससे)। जनता दल यूनाइटेड ने मोकामा विधायक अनंत सिंह और उनकी पत्नी पूर्व विधायक नीलम देवी पर कड़ा अनुशासनात्मक कदम उठाते हुए दोनों को 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

इसके साथ ही पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र भेजकर अनंत सिंह की विधायकी समाप्त करने की मांग भी की है। इसी मामले पर जेडीयू विधायक श्याम रजक ने बयान दिया है।

श्याम रजक ने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल के 100 अपराधों को क्षमा करने के बाद दंड दिया था।

ठीक उसी तरह पार्टी नेतृत्व भी अनंत सिंह की अनुशासनहीनता और गलतियों को लंबे समय से परख रहा था। जब उनकी भी 100 गलतियों की सीमा पार हो गई, तब शीर्ष नेतृत्व ने समीक्षा के बाद यह एक्शन लिया।

श्याम रजक ने स्पष्ट किया कि जब कोई नेता पार्टी का प्राथमिक सदस्य ही नहीं रहा, तो उसके विधायक बने रहने का कोई औचित्य नहीं बनता।

उन्होंने कहा कि पार्टी किसी दबाव या जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेती, बल्कि उचित समय पर विचार-विमर्श के बाद ही ऐसी कार्रवाई करती है। लगातार मर्यादाओं का उल्लंघन करने के कारण ही दोनों नेताओं को निष्कासन का सामना करना पड़ा है।

नीतीश कुमार से मिले ललन सिंह

पटना (आससे)। जदयू के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने शनिवार की शाम जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से भेंट की।

इस मुलाकात को वैसे तो औपचारिक मुलाकात बताया गया पर राजनीतिक गलियारे में इसकी खूब चर्चा रही। मुलाकात के दौरान जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। विधान परिषद चुनाव के दौरान जदयू विधायक अनंत सिंह के पार्टी विरोधी तेवर पर शनिवार को हुई कार्रवाई को लेकर गर्म राजनीति के दौरान ललन सिंह ने नीतीश कुमार से भेंट की।

चुनाव के दौरान अनंत सिंह को समझाने का जिम्मा ललन सिंह को सौंपा गया था पर वह नहीं माने। ललन सिंह ने अनंत से बात भी की थी।

नीतीश के आवास सात सर्कुलर रोड पर ललन सिंह लगभग आधा घंटे तक रहे। इसके बाद नीतीश कुमार भी ललन सिंह को छोड़ने उनके आवास तक गए।

नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा के असामयिक निधन पर जदयू ने जताया शोक

पटना (आससे)। जदयू के वरिष्ठ नेता नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा के असामयिक निधन पर पार्टी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। पार्टी ने उनके निधन को संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा कैंसर से पीड़ित थे और लंबे समय से उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान शनिवार की सुबह जमशेदपुर स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल में उनका निधन हो गया।

नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि वे लंबे समय से जदयू से जुड़े हुए थे और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। वे पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध और समर्पित नेता थे। अपने क्षेत्र में उनका व्यापक जनाधार था तथा संगठन के प्रति उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा पटना जिले के मसौढ़ी प्रखंड के अंतर्गत केवढ़ा गांव के निवासी थे।

उनके निधन पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधान परिषद में पार्टी के मुख्य सचेतक संजय कुमार उर्फ गांधीजी, विधानपरिषद में पार्टी के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, विधान पार्षद रवीन्द्र कुमार सिंह, मसौढ़ी से पार्टी विधायक अरुण मांझी, अतिपिछड़ा आयोग के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार आर्या, अरुण कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अशोक कुमार तथा प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

ग्रामीण विकास मंत्री ने किया वाराणसी में दौरा

पटना (आससे)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव मे मद्देनजर जदयू ने अपनी गतिविधि हर स्तर पर तेज कर दी है। शनिवार को ग्रामीण विकास व सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने शनिवार को वाराणसी में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं और लोगों से एकजुट होने की अपील की। जिन स्थानों पर जनसंपर्क अभियान चलाया गया उनमें वाराणसी का लंका, बेनीपुर, परमानंदपुर, इंदिरा नगर, चित्तपुर, बच्छव बाजार और चुनार रोड प्रमुख रूप से शामिल है।



अनंत सिंह को जेडीयू ने पर्सनल कारण से निकाला : चिराग

पटना (आससे)। एनडीए सरकार के अहम घटक लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बाहुबली विधायक अनंत सिंह को जदयू से निकालने के फैसले को राजनीतिक मानने से मना कर दिया है और इसे पर्सनल कारणों से लिया गया एक्शन बताया है। शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, यह

पासवान बोले- मामला राजनीतिक नहीं है

जदयू का आंतरिक मामला है। यह कारर्वाई व्यक्तिगत कारण से हुई है, न कि राजनीतिक परिस्थिति से उत्पन्न किसी वजह से। सहयोगी दल होने के नाते बयान देने का कोई मतलब ही नहीं है। जदयू को तय करना है कि मौजूदा परिस्थिति में उनको क्या करना है।

जनता दल (यूनाइटेड) ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर शनिवार को मोकामा के विधायक अनंत सिंह और पूर्व विधायक नीलम देवी को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। पार्टी की बिहार यूनिट के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अनंत सिंह की प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। इसमें कहा गया कि पार्टी के निर्देशों की अवहेलना करने, शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने और हाल में हुए विधान परिषद चुनाव में प्रतिद्वंद्वी दल के उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के आरोपों में अनंत सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।



नीरज कुमार से मिलते केन्द्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर।

विधान परिषद् की सभी आठ सीटों पर एनडीए का परचम लहरायेगा : मिथिलेश तिवारी

पटना (आशिप्र)। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बिहार विधान परिषद् के चुनाव में मतदान करने वाले सभी शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि विधान परिषद् की सभी आठ सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का परचम लहराएगा।

शिक्षा मंत्री ने विशेष रूप से शिक्षक संगठनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा कि शिक्षक संगठनों ने पूरे उत्साह के साथ एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाया और उनकी जीत की पटकथा लिखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षकों और स्नातक मतदाताओं का समर्थन एनडीए के प्रति उनके विश्वास को दर्शाता है। श्री तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं की मांगों के प्रति संवेदनशील है। शिक्षकों के हितों का ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता है। उनकी जायज मांगों को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

सुधाकर की शिकायत पर सीएम सचिवालय ने की कारर्वाई

पटना (आससे)। राजद सांसद सुधाकर सिंह की शिकायत पर मुख्यमंत्री सचिवालय ने लघु जलसंसाधन विभाग को मुख्य अभियंता सुनील कुमार के खिलाफ कारर्वाई करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने अपने निर्देश में कहा है कि पूर्व विभागीय प्रधान सचिव के आदेश को निरस्त करते हुए चयनित संवेदकों को अनुचित वित्तीय लाभ पहुंचाने, निविदा प्रक्रिया में अनियमितता एवं

मुख्य अभियंता पर टेंडर निस्पादन में गड़बड़ी का था आरोप

सरकारी संबंधित है, यथोचित कारर्वाई का अनुरोध सांसद सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से की थी। मुख्यमंत्री सचिवालय ने अपने निर्देश में कहा है कि उपर्युक्त प्रासंगिक पत्रों में निहित निर्देश के अनुरूप छानबीन कर कृत कारर्वाई से सांसद सुधाकर सिंह को सूचित करते हुए मुख्यमंत्री सचिवालय को भी इसकी सूचना उपलब्ध करायें। उल्लेखनीय है कि फर्जी दस्तावेज, क्षमा से कई कई गुना ज्यादा ठेके, ब्लैकलिस्टेड कंपनी को फिर काम, जांच में मुख्य अभियंता पर उठे सवाल, कारर्वाई की फाइल अटकी लघु जल संसाधन विभाग में करोड़ों रुपये के टेंडर आवंटन आवंटन की लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने विभागीय दस्तावेजों और शिकायत के आधारपर ऐसे दावे किये जा रहे हैं कि निविदा प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करते हुए फर्जी दस्तावेजों को स्वीकार किया गया। अभियंता प्रमुख की जांच में मुख्य अभियंता पर आपत्ति दर्ज होने के बावजूद विभाग के प्रधान सचिव कार्तिकेय धनंजय ने विभागीय कारर्वाई के लिए संचिका विभागीय मंत्री को भेजी थी। कुछ समय बाद प्रधान सचिव को बदल दिया गया।

GOVT. OF BIHAR

BIHAR COMBINED ENTRANCE COMPETITIVE EXAMINATION BOARD
I.A.S. Association Building, Near Patna Airport, Patna-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

UNDER GRADUATE MEDICAL ADMISSION COUNSELLING (Ayush) [UGMAC(Ayush)]-2026
for **BAMS / BHMS / BUMS in Govt / Pvt. Ayush Colleges of Bihar**

Adv. No.- BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2026/07 Dated : 24.10.2026

NOTICE for Online Application & Choice Filling (Round-3)

Online Registration & Submission of Application-cum-Choice filling after Round-2 are invited from such qualified, eligible & interested NEET(UG)-2026 candidates for appearing in the Round-3 Online Counselling of Under Graduate Medical Admission Counselling [UGMAC(Ayush)]-2026, who have not done the Registration and submission of Online Application or who has completed their registration process but did not duly submit Online Application with payment of requisite Counselling Fee & Security Deposit against Adv. No.-BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2026/01 & 2026/02 Dated 18.09.2026, 2026/03 Dated 26.09.2026 and 2026/04 Dated 09.10.2026 and are not admitted in any Ayush Colleges of India, for admission to the first year UG Ayush Medical Courses (BAMS / BHMS / BUMS) in Government / Private Ayush Colleges of Bihar state based on the Rank of UGMAC(Ayush)-2026 prepared on the basis of All India Rank of NEET(UG)-2026 on the vacant seats available after admission on the basis of UGMAC(Ayush)-2026 Online Round-2 Counselling held from 22.10.2026 to 23.10.2026.

Consent is also invited from eligible candidates who have already duly submitted the Online Application form earlier and fall under the condition mentioned in para-19 of the Adv.No.-BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2026/06 dated 24.10.2026 uploaded on Board's website.

2. Updated Seat Matrix of vacancies after completion of Round-2 Counselling is available on Board's website: **bceceboard.bihar.gov.in** . If any further vacancies due to resignation etc. arise, the Updated Seat Matrix will be uploaded on the Board's website. The candidate must see it before Online Registration & Submission of Application-cum-Choice filling / submitting their Consent / editing of choices for Online Counselling.

3. The online Registration & submission of Application Form-cum-Choice Filling/ Editing of Application form data / Editing of Choices / Consent (Round-3) will start from **28.10.2026.**

4. Eligibility criteria for counselling / admission Fee payment precedure, instructions and other details for filling up online applications form-cum-choice filling are available in the prospectus of UGMAC(Ayush)-2026 and **Advertisement No.-BCECEB[UGMAC(Ayush)]-2026/06 dated 24.10.2026, which can be seen / downloaded from the Board's website: bceceboard.bihar.gov.in.**

Controller of Examination

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) संख्याः 08/2026

(सांकेतिक सूचना)

स्टेशन मास्टर पदों के लिए भर्ती

पात्र अभ्यर्थियों से स्टेशन मास्टर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही प्रस्तुत किए जाने चाहिए। **(https://www.rrbapply.gov.in)**

आवेदन आरम्भ होने की तिथि : 27.10.2026 (अनंतिम)
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 25.11.2026 23:59 बजे तक (अनंतिम)

पद के नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	चिकित्सा मानक	दिनांक 01.01.2027 को आयु	अनंतिम रिक्तियां (सभी आरआरबी)
स्टेशन मास्टर	पे लेवल–6	विस्तृत सीईएन के अनुसार	विस्तृत सीईएन के अनुसार	1250 (अनुमानित)

नोटः 1. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित कर लें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में होने वाली विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा एवं विलंब से बचा जा सके।

2. आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, आधार में दर्ज नाम एवं जन्म तिथि को10 वीं कक्षा के उत्तीर्ण प्रमाण–पत्र में अंकित पूरा नाम एवं जन्म तिथि से 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार में नवीनतम फोटो एवं नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट एवं आइरिस) के साथ अपडेट करना होगा।

3. यह सूचना केवल सांकेतिक प्रकृति की है जिसे संभावित अभ्यार्थियों को आगामी विस्तृत सीईएन (CEN) के बारे में सूचित करने तथा आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाण–पत्रों /दस्तावेजों को तैयार रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियमों, शर्ते, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएं एवं अन्य आवश्यकताएं पूर्णतः विस्तृत सीईएन संख्या 08/2026 (साथ ही समय–समय पर जारी किए जाने वाले शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही मान्य होंगी, जो विशेष रूप से सभी आरआरबी की एकीकृत वेबसाइट **https://rrb.indianrailways.gov.in** पर प्रकाशित की जाएगी। अभ्यर्थी इस एकीकृत वेबसाइट से अलग–अलग आरआरबी के वेबपेज पर जा सकते हैं।

सं०– आरआरबी/पैट/08–26/स्टेशन मास्टर/2026/09 **अध्यक्ष**
दिनांक– 25/10/2026 **रेलवे भर्ती बोर्ड**
पीआर/1188/आरआरबी/एमएचएक्स/आरआरबी/नोटिफिकेशन/26–27/156

''जालसाजों, दलालों एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहे''

भाजपा के प्रवक्ता संजीव मिश्र ने तख्त में टेका मत्था

पटना सिटी (आससे)। सिखों के दशमे गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज की पावन जन्म भूमि श्री तख्त हरिमंदिर जी पटना में बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता व एडवोकेट्स एसोसिएशन, पटना हाई कोर्ट के संयुक्त सचिव संजीव कुमार मिश्र उर्फ गीता वाले बाबा ने अपनी अर्धांगनी शिक्षिका व भाजपा नेत्री आरती पाण्डेय में मत्था टेका। इस मौके पर तख्त के जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने सिरोपा देकर गुरु महाराज के पावन चीजों का दर्शन कराया। इस मौके पर श्री मिश्र ने कहा कि सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का जन्म स्थान का परिक्रमा व आशीर्वाद ग्रहणकर बेहद पवित्र व आध्यात्मिक अनुभव हुई। इस अवसर पर घर- घर गीता, जन-जन गीता अभियान चलाने वाले गीता वाले बाबा के नाम से सुप्रसिद्ध संजीव कुमार मिश्र ने सभी लोगों को गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता सप्रेम भेंट की। भाजपा प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्र उर्फ गीता वाले बाबा व उनकी अर्धांगनी आरती पाण्डेय को श्री तख्त हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के महासचिव इंद्रजीत सिंह, प्रबंधक हरजीत सिंह, जसपाल सिंह, नरेन्द्र सिंह भाटिया, सेवादार रवीन्द्र सिंह, दिलीप सिंह व दलजीत सिंह सहित दर्जनों लोगों ने परिक्रमा एवं दर्शन कराये। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमिटी की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।



धीरेंद्र मुन्ना बने झारखंड और पंजाब के सह-प्रभारी

पटना (आससे)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी धीरेंद्र मुन्ना को झारखंड एवं पंजाब का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस नई जिम्मेदारी के तहत वे दोनों राज्यों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। धीरेंद्र मुन्ना पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के रूप में पहले से जिम्मेदारी निभा रहे हैं। अब उन्हें झारखंड और पंजाब में पार्टी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने और संगठन के विस्तार की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे दोनों राज्यों में पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में काम करेंगे। पार्टी के बिहार प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने धीरेंद्र मुन्ना को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति दोनों राज्यों में संगठनात्मक समन्वय और पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

छठ घाटों पर सुरक्षा और सुविधाओं की तैयारी अभी से करें : डीएम

पटना (आससे)। छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं और सुगम आवागमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया है। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को जिले के सभी शहरी और ग्रामीण छठ घाटों का निरीक्षण कर खतरनाक एवं अनुपयोगी घाटों को चिह्नित करने और सुरक्षित घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने को कहा है। प्रशासन ने बाढ़ के कारण घाटों की भौगोलिक स्थिति, जलस्तर और पहुंच मार्गों में संभावित बदलाव को देखते हुए सभी घाटों का दोबारा निरीक्षण करने पर जोर दिया है। खतरनाक घोषित घाटों पर स्पष्ट सूचना प्रदर्शित की जाएगी ताकि श्रद्धालु वहां पूजा करने नहीं जाएं और दुर्घटनाओं की आशंका को रोका जा सके। डीएम ने निर्देश दिया कि पूजा के लिए उपयुक्त घाटों पर बिजली, पर्याप्त रोशनी, पेयजल, शौचालय और चेंजिंग रूम सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। घाटों तक जाने वाली मुख्य सड़कों और संपर्क मार्गों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर निर्माणाधीन सीढ़ी घाटों और अन्य संरचनाओं का काम भी जल्द पूरा करने को कहा गया है। घाटों की तैयारी के लिए गठित सेक्टरों में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेटों को लगातार निगरानी रखने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। नगर निगम एवं अन्य नगर निकाय घाटों की साफ सफाई, कचरा प्रबंधन, पार्किंग और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। संभावित दुर्घटनाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग को पर्याप्त संख्या में नावों और प्रशिक्षित गोताखोरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। जरूरत के अनुसार एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों की तैनाती की तैयारी भी की जाएगी। सभी आवश्यक संसाधनों और बचाव व्यवस्थाओं को पहले से तैयार रखने पर जोर दिया गया है। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों के शहरी एवं ग्रामीण छठ घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।